Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College, Sri Ganaganagar

BEST PRACTICES - SESSION 2020-21

A. 1. **Title of the Practice:**

UDAAN
FREE COACHING FOR COMPETITIVE EXAMINATIONS

2. **Objectives of the Practice:** To prepare the students of the college and coming from surrounding rural and semi-urban areas of Rajasthan for employability through the competitive exams for various government jobs.

3. **The Context:** The students graduating from the colleges find it hard to find employment and appear for the competitive examinations immediately after their degrees. They have to spend heavy amounts of money to join private coaching academies and appear in the exams. Most of these students cannot afford the unnecessary expenditures of coaching in the market. Therefore, it was the need of the day that our regular college students should be mentored and taught not only the syllabus and curriculum prescribed by the university for the undergraduate and post graduate degrees but also the much needed topics covered for the competitive exams for fostering the employability of our youth.

4. **The Practice:** In the session 2020-21, Sh. C.P. Jandu, convener of Pratiyogita Dakshta Committee, provided free online coaching and mock interviews for Junior Legal Officer, Informatics officer, IAS, RAS. As many as 253 candidates from our coaching were selected for RAS (result declared in July 2021), 14 were selected for JLO (result declared in March 2021). **RAS state topper Mukta Rao from Jhunjhunu belongs to our batch. In the category of physically disabled, 7**

aspirants- Kulwant Singh, Devendra Chauhan, Pratibha, Pravin Gupta, Ramdayal, Nahida Khan, Jigyasa Sharma successfully cleared the exams. In the widow category, Krishna Inkiya, AmitaBishnoi, JinuVerma, Anita Dudi, ShilpaSaxena, Lalitesh got selected. Our 28 students were among the 100 toppers.

5. Evidence of success

The placement and designation of students selected in various examinations are evidences enough to prove the fruitfulness of these classes. (Harpreet Singh – 8290890010 Karanpur, Ankit Mimani- 8860981472). The preparation courses have received overwhelming response with each passing year and the city of Sri Ganganagar is now being called as Udaan centre and SI wala district.

6. Problems Encountered and Resources Required

The Pratiyogita Dakshta Pariyojna Committee (Competitive exams Proficiency Committee) had to face a number of problems while conducting this challenging exercise. While Dishari Scheme had a demarcated allotment of funds, there has never been an independent fund allocation for Free Coaching for competitive examinations led by this committee under the guidance of Assistant Professor of History, Sh. C.P. Jandu. He arranged most of the material at his own expense including distribution of free notes and resource material to students in hundreds of copies. Another problem encountered during the course of this entire activity was the overlapping of the teaching hours. While the classes were conducted in late afternoons, the students coming from surrounding villages left the campus in their local buses, therefore the classes were often held in the peak hours of the college wherein the students would miss their core lectures now and then to attend these free coaching classes for two to three months.

The pandemic restrictions further aggravated the issue and all networking and classes were managed online by teachers with their personal efforts.

उड़ान फ्री एजुकेशन

राजस्थान पत्रिका patrika.com
04
श्रीगंगानगर, बुधवार, 21 जुलाई, 2021

पत्रिका सरोकार | कोरोना को करें नॉकडाउन, यह जंग, जीतेंगे हम

आनंदम कार्यक्रम... 28 अभ्यर्थी टॉप-100 में

'उड़ान' की फ्री कोचिंग ने दिए 253 से ज्यादा आरएएस अफसर

पत्रिका सोशल प्राइड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

श्रीगंगानगर. राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग की ओर से आनंदम कार्यक्रम के तहत डॉ.भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में संचालित निःशुल्क कोचिंग 'उड़ान' लगातार जिले और जिले से बाहर के सैकड़ों विद्यार्थियों के सपनों को नए आयाम दे रहा है। निर्धन और जरूरतमंद विद्यार्थी इस कोचिंग से पढ़ाई कर अलग-अलग क्षेत्रों में कामयाबी हासिल कर रहे हैं। हाल ही में घोषित हुए आरएएस-2018 के नतीजों में इस संस्थान से पढ़े 253 से भी अधिक विद्यार्थी चयनित हुए हैं। जिनमें से 28 अभ्यर्थी प्रदेश मेरिट के टॉप-100 में शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों जिले से 2 और प्रदेश के अन्य जिलों से 12 विद्यार्थियों सहित कुल 14 अभ्यर्थी कनिष्ठ विधि अधिकारी (जेएलओ) के पद पर चयनित हुए हैं।

श्रीगंगानगर. प्रेसवार्ता कर जानकारी देते प्रोफेसर चन्द्रपाल जांदू व अन्य।

नौ वर्ष से कर रहे सेवा

बता दें कि इस कोचिंग की स्थापना चंद्रपाल जांदू ने नौ वर्ष पूर्व की थी। इसमें आइएएस, आरएएस और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी महाविद्यालय के प्रोफेसरों की टीम और अन्य शिक्षा से जुड़े प्राध्यापकों की ओर से निःशुल्क करवाई जा रही है। दरअसल इस कोचिंग पर होने वाले सारे खर्च का वहन जांदू की ओर से अपने मासिक वेतन से किया जाता है। कोचिंग में पढ़े जिन अभ्यर्थियों का चयन होता है उनसे यह जीवन में दो गरीब विद्यार्थियों की पढ़ाई का खर्चा उठाने और एक गरीब लड़की की शादी में उसके पिता की आर्थिक मदद करने का प्रण भी लिया जाता है।

अलग-अलग श्रेणी में टॉपर्स रहे इन विद्यार्थियों ने की उड़ान से पढ़ाई

राज्य स्तर पर टॉप रही मुक्ता राव झुंझुनू के अलावा, धौलपुर से सत्येंद्र कुमार, दौसा के अभिमन्यु सिंह, जोधपुर की कृष्णा इनकिया, जयपुर की नीतू करोल, श्रीगंगानगर से कुलवंत, डूंगरपुर से हेमंत कलाल, श्रीगंगानगर से अमिता बिश्नोई, कोटा की जिज्ञासा शर्मा, धौलपुर से प्रीति, बांसवाड़ा से निखिल व्यास तथा झुंझुनू के निखिल पोद्दार व रमेश कुमार ने श्रेणीवार रैंकिंग के आधार पर राज्य में टॉप-10 में स्थान हासिल किया है। इसके अलावा संस्थान से निःशक्तजन श्रेणी में 7 तथा विधवा श्रेणी में 6 महिला अभ्यर्थियों का चयन हुआ है।

लाइव कक्षाओं और मॉक साक्षात्कार से करवाई तैयारी

इन चयन पर कोचिंग प्रभारी चंद्रपाल जांदू का कहना है कि साक्षात्कार की तैयारी में राजकीय विधि महाविद्यालय प्राचार्य रजनीश चंद श्रीवास्तव और डॉ विश्वनाथ प्रताप सिंह का विशेष और महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बैच वार तैयारी में ऑनलाइन लाइव कक्षाएं, ऑफलाइन और ऑनलाइन मॉक साक्षात्कार लिए गए। साथ ही कोचिंग टीम में डॉ विश्वनाथ प्रताप सिंह, कार्यवाहक प्राचार्य बलवंत सिंह रतन, कर्मवीर सिंह सहारण, सुशील रणवां, डॉ मनिंदर पाल सिंह, रिशु देव बंसल, अधिवक्ता ललित गौड़, डॉ नवीन तिवारी, डॉ विक्रम सिंह देओल, डॉ अरुण कुमार शहरिया, पटेल राम सुथार, कोमल बंसल, कालूराम ज्याणी, वीरेंद्र सिंह यादव, मेनपाल सहारण आदि का विशेष योगदान रहा है।

श्रीगंगानगर भास्कर

श्रीगंगानगर सोमवार, 07 दिसंबर, 2020 | श्रीगंगानगर सिटी | dainikbhaskar.com

मंडे पॉजिटिव आज मिलिए लेक्चरर सीपी जांदू से, युवाओं को निशुल्क पढ़ाते हैं, प्रदेश के 22 जिलों से 102 युवा इनसे श्रीगंगानगर में कोचिंग लेने आए थे

अंबेडकर कॉलेज में 102 युवाओं ने ली निशुल्क कोचिंग, सबसे ज्यादा फोकस अभ्यास पर...नतीजा-60 एसआई हमारे यहीं से

SI वाला जिला

प्रदेश में 511 का चयन, इनमें टॉप 50 में से 8 अभ्यर्थी श्रीगंगानगर से, आप भी जानिए कैसे करवाते हैं तैयारी

कोचिंग प्रभारी चंद्रपाल जांदू

प्रतियोगिता दक्षता कार्यक्रम के तहत 7 माह तक दी गई थी सभी युवाओं को निशुल्क कोचिंग

8 वर्षों से आईएएस, आरएएस, एसएससी, बैंक, पटवारी और कांस्टेबल की करवा रहे हैं तैयारी

महेंद्र गोदारा रैंक 7वीं | पवन सिहाग रैंक 20वीं | संपत धायल रैंक 21वीं | जितेंद्र चौधरी रैंक 25वीं

धर्मवीर रैंक 27वीं | नरेंद्र कुमार रैंक 33वीं | सुरेश भादू रैंक 37वीं | रमेश बिश्नोई रैंक 39वीं

इन जिलों के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार में हुआ चयन

जिला प्रशासन, श्रीगंगानगर
सत्यमेव जयते
प्रशस्ति–पत्र
श्री चन्द्रपाल जान्दू, सहायक आचार्य द्वारा डॉ. भीम राव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय की खेलकूद प्रतियोगिता के साथ–साथ निःशुल्क कोचिंग में सराहनीय कार्य करने के फलस्वरूप जिला प्रशासन द्वारा गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह, रामलीला मैदान, सुखाड़िया सर्किल, श्रीगंगानगर में सम्मानित किया जाता है।
शिवप्रसाद एम. नकाते
आई.ए.एस.
कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,श्रीगंगानगर
श्रीगंगानगर (राज.)
दिनांक : 26 जनवरी 2020

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय, श्रीगंगानगर
प्रतियोगिता दक्षता कार्यक्रम के तहत
राजस्थान पुलिस सब इंस्पेक्टर(S.I.)
साक्षात्कार हेतु
निःशुल्क कोचिंग
कोचिंग प्रभारी:-
चंद्रपाल जांदु,
असिस्टेंट प्रोफेसर
9461224200
बैच 25-01-2020 के प्रातः 10 बजे से प्रारम्भ
साक्षात्कार की तैयारी करवाने वाला पैनल :-
* पुर्व RPSC अध्यक्ष श्री हनुमान प्रसाद
* पुर्व RPSC सदस्य श्री ब्रह्म सिंह गुर्जर व श्री विनोद बिहारी शर्मा
* RPSC के साक्षात्कार में शामिल विषय विशेषज्ञ
* IAS, IPS और महाविद्यालय के प्रोफेसर
इस पोस्ट को अधिक से अधिक शेयर कर योग्य अभ्यर्थियों की मदद करें।

B. 1. **Title of the Practice:** **ONLINE TEACHING AND WEBINARS**

2. **Objectives of the Practice:** To connect the students with their curriculum, values, employable skills and preparation for a bright future in times of Covid pandemic. The underlying principle and intention of this practice was to boost the students to stay healthy, mentally agile, intellectually updated and keen with a readiness for employment after their degree programmes.

3. **The Context:** The sudden onset of the covid-19 pandemic overturned the smooth offline practices of education and forced the students to stay inside their homes amidst red alerts and lockdowns implemented by the state and central governments. The pandemic took several lives and transformed the atmosphere from progression to gloom. Amidst such unprecedented circumstances, it was a challenge for the institution to keep the students motivated, associated with their curriculum and also maintain a healthy and positive approach towards the calamity.

4. **The Practice:** The unique practice of connecting with the students online was initiated very early during the session when the pandemic forced the students to stay inside their homes. The teachers formed online wats ap groups class-wise to continue teaching their syllabus and sharing notes for their assistance in the form of PDF files. You tube channel of the college and subsequently you tube channels of all teachers were created/activated for posting videos on each topic to be taught in their respective classes. Sri Ganganagar being a border area and a semi- urban region has network issues at several points. Students come to the college from diverse backgrounds and a large count of these belong to villages with weak network connectivity. Therefore it was not possible to take online classes according to the time table schedules. Therefore the students were provided with a

free access to PDF notes and videos through you- tube channels of the teachers and institution. Students interacted freely telephonically or through wats ap and telegram aps. Assignments were given weekly to the students after the teaching of each topic and unit. By the end of the session i.e. 30th April, 2021, 3444 videos had been uploaded by the teachers on various youtube channels for convenient access to students and over 3000 PDF files were shared with the students in the form of text, notes and reference material for the curriculum. Apart from these, teachers also provided the students with PDF versions of useful books and extra reading resources. These resources have been compiled and preserved in the form of an e-bank entitled Rajiv Gandhi e-content bank with link available on the website.

https://drive.google.com/drive/u/3/folders/16bBSDR7F2vmWV1a-f1vw-KiTznQPtVRf

https://hte.rajasthan.gov.in/college/gcganganagar/MEDIACENTRE

The facebook page of the college updates useful information to the students scattered throughout Rajasthan state about the upcoming schedules, achievements and circulars of the college.

(https://www.facebook.com/groups/311324356409916/?ref=share).

Apart from this, the students admitted in the first year of the degree programmes were allotted mentors for extra guidance and counselling. “Anandam” project was initiated by the college to promote social ethics and responsibility in difficult times. The students were encouraged to serve the society in one form or the other individually and in groups and compile photographs and videos for motivating other members of the society.

Webinars were organized by the webinar committee on a regular basis. These webinars addressed the academic and social issues of the day and connected with students through the zoon application. Topics like “Rules of success”, “Corona times and academics”, “Career opportunities in science stream”,

“Importance of Goal Setting in students”, “Time management” etc.

5. **Evidence of success:** The students were successful in studying, comprehending and preparing the curriculum for their respective classes for the University examinations of 2020-21. The students interacted online with the concerned teachers and cleared their doubts. After the state government allowed offline campus classes, the students were called for doubt clearing sessions and the mentoring that was required. The results of the University Examinations 2020-21 are adequate evidence to prove the success of the practice of online mode of teaching.

6. Problems Encountered and Resources Required

The main problem encountered during the process was the network and connectivity issues in the area. Moreover, not all students had access to android phones. This deprived them to attend classes or watch videos to cover their syllabus.

Another problem that the institution encountered was the lack of infrastructure due to the sudden and unprecedented onset of the pandemic. Teachers had to manage the resources on their personal level and there was no such training that could give the desired results immediately. Therefore, it was a slow, evolving process of learning and establishing the technical set up in the institution. In the current session in July 2021, the college set up a studio with the proper cameras and other infrastructure for online teaching and recording.

Dr. Bhimrao Ambedkar Government College

Sriganganagar (Raj.)

Innovations & Best Practices

Sessions 2015-16 to 2019-20

The College has always aspired to attain new heights and make a name for itself. For the institution, innovation is an ongoing process of bringing about new ideas, best and healthy practices and application of better solutions that can have a positive and productive impact on the society. This is accomplished through its teaching.learning process, curriculum, skill development programmes, employability skills development programmes, services, resources and implementation of ideas, The college not only believes in developing values but also in providing solutions to meet new needs and maximizing its educational objectives. The innovation and best practices in the college are nurtured and nourished by the qualities imparted and inculcated and these include:

- ✓ Accountability
- ✓ Integrity
- ✓ Leadership
- ✓ Research aptitude
- ✓ Social responsibility and concern
- ✓ Healthy practices
- ✓ Comprehensive approach
- ✓ Fostering the spirit of education
- ✓ Generating awareness towards issues

Environmental Consciousness

The campus of the College is spread over 28 acres, and this includes building blocks, canteen, Sports and Games room, student union room,

vehicle stand and play grounds. The class rooms and laboratories in each block are designed as per the standards appropriate for an educational institution. All class rooms and labs are well illuminated, aerated and ventilated. There are gardens with small lawns attached to each block.

The plantation is done all around the campus. There is a Campus beautification and maintenance committee (Eco Club), run and funded by the faculty members. The Club has done a large number of plantations and takes care of all the plants. All plants are growing well and making the Campus green. Like any other academic institution there is no substantial hazardous emission or solid waste. The plant litter and waste are collected in pit to make natural manure .The gardener and the faculty members also put in efforts to take care of the plants. The plants used as a material for the practical classes in Botany are cultivated in Botanical cum Herbal Garden. Since the computerization has just begun so there is no substantial e.waste in the campus and whatever is produced, is disposed of by standard methods.

A. **Title of the Practice:** (UDAAN AND DISHARI) FREE COACHING FOR COMPETITIVE EXAMINATIONS

2. **Objectives of the Practice:** To prepare the students of the college and coming from surrounding rural areas of the college for employability through the competitive exams for various government jobs.
3. **The Context:** The students graduating from the colleges find it hard to find employment and appear for the competitive examinations immediately after their degrees. They have to spend heavy amounts of money to join private coaching academies and appear in the exams. Most of these students cannot afford the unnecessary expenditures of coaching in the market. Therefore, it was the need of the day that our regular college students should be mentored and taught not only the syllabus and curriculum prescribed by the university for the undergraduate and post graduate degrees but also the much needed topics covered for the competitive exams for fostering the employability of our youth.

4. The Practice:

The session 2015-16 attracted hundreds of students from over the district for free coaching classes, (under the name UDAAN) for the preparation of competitive exams like IAS, RAS, SSC etc. Students from rural, economically backward backgrounds were provided free counseling and coaching in different subjects that are required for the preparation of these competitive exams. The faculty also provided them free handouts as supporting resources.

In 2016-17, The college again provided free coaching for Competitive Examinations like Rajasthan Police Constable, Patwari, High Court Group D etc. A two month free course was conducted by a team of faculty members led by Sh. C.P. Jandu, Assisitant Professor in

History. It was open for the regular students of the college as well as other interested aspirants from outside the college. Apart from lectures and counselling, Notes and questionnaires were distributed for free to the students. As a result of this, several students got selected in the target examinations.

In 2017-18, another programme- Dishari free Coaching for Competitive Exams was conducted from 9-9-17 to 18-12-17. The students were greatly benefitted by the Dishari Classes and the DISHARI mobile app that served to update the students regarding GK, Science and Current Affairs questions and other topics for the preparation. As many as 218 students actively participated in the 100 classes taken in Reasoning and Maths by the faculty and external experts.

In the session 2018-19, RUSA Dishari free Coaching Scheme for preparation of Competitive Exams from 25-10-18 to 5-1-19 with 84 registered students was conducted. The students were greatly benefitted by the Dishari Classes and the DISHARI mobile app that served to update the students regarding GK, Science and Current Affairs questions and other topics for the preparation. Students were given a Starter's kit and classes in Reasoning, Mental ability and Maths were taught by the faculty and external experts. An Employment Information Cell was established to update the students about theupcoming competitive examinations.

In the session 2019-20, Sh. C.P. Jandu, Department of History, coordinated a series of lectures and provided free notes to students of the college as well as other students of the district aspiring to appear in different competitive exams like RAS, IAS, Sub Inspector, High Court Clerical etc throughout the session. Sh. Jandu was honoured by the District administration on 26th January 2020 by the District Collector, Sri Ganganagar, Rajasthan. Currently, he is providing free online coaching to the aspirants all over the state of Rajasthan.

5. Problems Encountered and Resources Required

The Pratiyogita Dakshta Pariyojna Committee (Competitive exams Proficiency Committee) had to face a number of problems while conducting this challenging exercise. While Dishari Scheme had a demarcated allotment of funds, there has never been an independent fund allocation for Free Coaching for competitive examinations led by this committee under the guidance of Sh. C.P. Jandu. Sh. Jandu arranged most of the material at his own expense including distribution of free notes and resource material to students in hundreds of copies. Another problem encountered during the course of this entire activity was the overlapping of the teaching hours. While the classes were conducted in late afternoons, the students coming from surrounding villages left the campus in their local buses, therefore the classes were often held in the peak hours of the college wherein the students would miss their core lectures now and then to attend these free coaching classes for two to three months.

श्रीगंगानगर भास्कर

श्रीगंगानगर | सोमवार, 08 जुलाई, 2019 श्रीगंगानगर सिटी dainikbhask

मंडे पॉजिटिव डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय के लेक्चरर चंद्रपाल जांदू 7 साल में 194 से ज्यादा अभ्यर्थियों का सरकारी विभागों में करवा चुके है

ऐसे हैं गुरुजी; वेतन 73 हजार, अभ्यर्थियों पर खर्च कर रहे हर माह 80 हजार रुपए, 6 माह में 1 लाख का कर्ज चढ़ा फिर भी निशुल्क कोचिंग देना नहीं छोड़ा

मयूर पारीक | श्रीगंगानगर

बच्चों को पढ़ाने का जज्बा ऐसा कि पत्नी की मुंह दिखाई में आए 21 हजार रुपयों को भी कोचिंग में खर्च किया

(2)

श्रीगंगानगर भास्कर

श्रीगंगानगर, सोमवार, 23 जुलाई, 2018 | आषाढ़, शुक्ल पक्ष-11, 2075

श्रीगंगानगर सिटी

मंडे पॉजिटिव डॉ. भीमराम अंबेडकर कॉलेज में बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए व एमएससी कर रहे विद्यार्थियों को दे रहे कोचिंग, ताकि बने अ

12 प्रोफेसर 4 साल से निशुल्क कोचिंग दे रहे, नतीजा-1 आईएएस, 1 आरएएस, 103 लेक्चरर ब

विकास शर्मा | श्रीगंगानगर

जिले मुख्यालय के एक सरकारी कॉलेज में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ही पटवारी से लेकर आईएएस तक निशुल्क कोचिंग भी करवाई जाती है। डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज के 12 प्रोफेसर व असिस्टेंट प्रोफेसरों ने संयुक्त रूप से पहल कर शिक्षा की यह अलख जगाई है। कॉलेज में इन प्रोफेसरों की ओर से चार साल से कोचिंग दी जा रही है। अब इसके सुखद परिणाम सामने आने लगे हैं। हाल ही में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के जारी हुए परिणाम में कॉलेज से कोचिंग किए एक अभ्यर्थी गांव कालियां निवासी रवि कुमार का आरएएस में और दौसा जिला निवासी संदीप का आईएएस में चयन हुआ है। वहीं, 103 अभ्यर्थियों का स्कूल लेक्चरर, 5 जूनियर अकाउंटेंट, 5 कांस्टेबल, 1 एसआई, 15 पटवारी, 5 ग्रेड सेकंड टीचर, 10 ग्रेड थर्ड टीचर, 5 का दिल्ली मेट्रो व 20 अभ्यर्थियों का विभिन्न बैंकों में चयन हुआ है। इसके अलावा 20 अभ्यर्थियों का यूजीसी नेट में चयन भी हुआ है।

कॉलेज के इतिहास के असिस्टेंट प्रोफेसर सीपी जांदू का कहना है कि उन्होंने निशुल्क कोचिंग शुरू करने का मानस बनाया और साथी लेक्चरर से चर्चा की तो वे भी इस अच्छे काम में साथ हो लिए। ये प्रोफेसर फिलहाल कॉलेज में ही नियमित तौर पर बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए व एमएससी कर रहे विद्यार्थियों को कोचिंग दे रहे हैं।

नोट्स तैयार कर वाट्स एप से भेजे जाते हैं

हर विषय के नोट्स तैयार किए जाते हैं। कोचिंग ले रहे विद्यार्थियों को परेशानी ना हो इसके लिए बाकायदा वाट्स एप के जरिए उनके मोबाइल फोन पर नोट्स भेजे जाते हैं। गरीब विद्यार्थियों को निशुल्क किताबें व नोट्स उपलब्ध करवाए जाते हैं। वहीं, विद्यार्थियों के साप्ताहिक टेस्ट लिए जाते हैं। जहां कमी मिलती है, उसका तुरंत निस्तारण किया जाता है। विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति ललक पैदा करने के लिए अच्छा वातावरण तैयार किया जा रहा है।

ये प्रोफेसर कर रहे हैं मेहनतः डॉ. गोवीराम शर्मा हिंदी, अरविंद सुखाड़िया व सीपी जांदू इतिहास, डॉ. डीडी शर्मा व डॉ. अरुण शहरिया व डॉ. राजेश टाक भूगोल, डॉ. घनश्याम बैरवा व डॉ. बीएस चौहान भारतीय संस्कृति, डॉ. नवीन तिवारी राजनीति विज्ञान, हरीश कुमार रसायन विज्ञान, राजा भोज वनस्पति विज्ञान और पटेल कुमार सुथार भौतिक विज्ञान की तैयारी करवा रहे हैं।

टीम का उद्देश्यः आने वाले दो व श्रीगंगानगर से कई आईएएस नि

प्रोफेसर जांदू का कहना है कि श्रीगंगानगर क्षेत्र अभ्यर्थियों को आईएएस की कोचिंग के लिए दि सहित अन्य महानगरों में जाना पड़ता था। वहां कोचिंग संस्थानों द्वारा मनमानी फीस वसूली जा है। महाविद्यालय में पढ़ाई करवाने के दौरान भी ऐसे अभ्यर्थी मिले जो विशेष प्रतिभाशाली थे, लें महाविद्यालय से पास आउट होने के बाद उनका नाम सुनाई नहीं दिया। कारण एक ही था कि परि स्थिति कमजोर होने की वजह से वे कोचिंग के महानगरों में नहीं जा सके। इसके मद्देनजर यहां नि कोचिंग चलाने की ठानी। अब हमारा एक ही उद्दे कि आने वाले 1-2 वर्षों में श्रीगंगानगर से कई आ निकलें ताकि कॉलेज के साथ ही जिले के नाम दे में रोशन हो।

(3)

8 सीमा सन्देश

श्रीगंगानगर, शनिवार 08 सितम्बर, 2018

दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं प्रोफेसर सीपी जांदू

श्रीगंगानगर। अपने लिए तो सभी जीते हैं असल मजा तो दूसरों के लिए जीने में है। अपनी जमा पूंजी व मासिक वेतन से लाखों रुपये खर्च कर राजकीय महाविद्यालय की दशा बदलने वाले एक असिस्टेंड प्रोफेसर ने यह बात साबित कर दिखाई है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर के असिस्टेंड प्रोफेसर चन्द्रपाल जांदू के प्रयासों से अब तक इस महाविद्यालय में 6 बड़े व 2 छोटे पार्क बनाए जा चुके हैं। वर्ष 2009 से राजकीय सेवा में आए सीपी जांदू के प्रयासों से महाविद्यालय की दशा ही बदल गई है। इस कार्य के लिए उन्हें महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. रामसिंह राजावत व डॉ. रामचंद्र रेगर द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया जा चुका है। पहले यहां कॉलेज में कचरे आदि के ढेर लगे रहते थे व

यहां से खूबसूरत पौधे की महक आती है। गत दिनों कॉलेज प्रांगण में बनाए वनस्पति उद्यान में भी इनकी ओर से बड़ा सहयोग किया गया।

आरएएस व आईएएस की नि:शुल्क कोचिंग

राजकीय महाविद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के सपनों को पूरा करने के लिए कॉलेज के खास व्याख्याताओं द्वारा नि:शुल्क कोचिंग कक्षाएं लगवाई जा रही हैं। सीपी जांदू ने बताया कि गत वर्ष से गरीब व अनाथ बच्चों को आरएएस व आईएएस की तैयारी करवाने के लिए निःशुल्क कोचिंग करवाई जा रही है। प्रो. जांदू ने बताया कि महाविद्यालय के लगभग 120 विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवा की तैयारी करवाई जा रही है। नि:शुल्क कोचिंग में डॉ. अरुण शहरिया, डॉ. गोवीराम शर्मा, डॉ. बीएस चौहान, डॉ. पटेलराम सुथार, डॉ. डीडी शर्मा, डॉ. नवीन तिवारी आदि द्वारा विशेष सहयोग दिया जा रहा है।

अनेक किस्म के लगाए पौधे

महाविद्यालय में प्रवेश करते ही अनेक किस्म के पौधे इसकी खूबसूरती को चार चांद लगा देते हैं। यहां अंबोकल पाम, अम्बुड़ हैल, गुलाब, चमेली, डाइकस, अशोका, मोगरा सहित अन्य किस्मों के पौधे लगाकर महाविद्यालय को हरा-भरा बना दिया है। जांदू ने बताया कि उनकी ओर से गत 8-9 वर्षों में लगभग दो लाख रुपये पौधारोपण, 20 हजार रुपये हैंडबॉल ग्राउंड व लगभग ढाई लाख रुपये पार्कों पर खर्च किये जा चुके हैं।

गरीब बच्चों को छात्रवृत्ति

गरीब व अनाथ बच्चों का उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति भी दी जा रही है। असिस्टेंड प्रोफेसर जांदू ने बताया कि जो बच्चे गरीब व अनाथ हैं उन्हें प्रति माह 500 रुपये छात्रवृत्ति भी दी जाती है। छात्रवृत्ति की राशि भी जांदू ही वहन करते हैं। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों का कहना है कि जो बच्चे पुस्तकें खरीदने व फीस भरने में असमर्थ हैं उनकी सहायता के लिए भी प्रो. सीपी जांदू हमेशा तैयार रहते हैं।

(5)

प्रोफेसर जांदू ने की पुस्तकें भेंट

श्रीगंगानगर (नगर संवाददाता)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय में प्रतियोगिता दक्षता कोचिंग कक्षाओं में अस्सिटेंट प्रोफेसर चन्द्र पाल जांदू द्वारा आईएएस/ आरएएस/ एसएससी/ बैंक/ पटवारी आदि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे जरूरतमंद विद्यार्थियों को अपनी ओर से पुस्तकें भेंट की गई। जिससे कि जरूरतमंद विद्यार्थी इन पुस्तकों से प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर सकें और अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकें।

(7)

सैंदीप कुमार
IAS

रवि कुमार
RAS

बैंक

जुनियर अकाउंटेन्ट

SLET + NET

SLET

स्कूल लेक्चरर

पटवारी

रेलवे

स्कूल व्याख्याता
NET - SLET

(8)

जुनियर अकाउंटेन्ट

थानेदार

कोर्ट में LDC

जुनियर अकाउंटेंट

Clerk

बैंक

Clerk

Clerk

Clerk

प्रतियोगिता दक्षता कार्यक्रम प्रशिक्षण

10

जिला कलेक्टर महोदय द्वारा S.I. बैच का आरम्भ का उद्घाटन करते (1)

प्रतियोगिता परीक्षा की क्लास

(13)

आरएएस मुख्य परीक्षा की निःशुल्क कक्षाएं 2 जून से

श्रीगंगानगर

(सीमा सन्देश डेस्क)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय, श्रीगंगानगर में आरएएस मुख्य परीक्षा की प्रतियोगिता दक्षता कार्यक्रम के तहत निःशुल्क कोचिंग 2 जून से प्रारम्भ होगी। गत 7 वर्षों से आइएएस/ आरएएस/ एसएससी/ बैंक/ स्कूल व्याख्याता आदि की निःशुल्क कोचिंग करवाई जा रहा है। जिससे बहुत से विद्यार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षाओं में हो चुका है। प्रत्येक रविवार को महाविद्यालय में आरएएस मैन्स की कोचिंग करवाई जायेगी। जिसमें साप्ताहिक टेस्ट लिया जायेगा और कठिन विषयों पर व्याख्यान के द्वारा विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा। कोचिंग में इतिहास विषय की तैयारी डॉ.विक्रम सिंह देओल, चन्द्र पाल जांदू, भूगोल विषय डॉ. अरुण शैहरिया, डीडी शर्मा, अर्थशास्त्र विषय कविता शर्मा, कोमल बंसल, संविधान डॉ. नवीन तिवाड़ी, हिन्दी डॉ.नवज्योत भनोत, गोपीराम शर्मा, अंग्रेजी डॉ. ओपी तिवारी, डॉ. परनीत जग्गी, विज्ञान भौतिक पटेल राम सुथार, वनस्पति विज्ञान डॉ.राजेन्द्र कड़वासरा, रजत भोला, जीव विज्ञान इकबाल सिंह, डॉ. नटवर सिंह, रसायन विज्ञान सुनीता नागपाल, देवेन्द्र सिंह आदि प्रोफेसरों के द्वारा पढ़ाये जायेंगे। कोचिंग में पंजीकरण व जानकारी के लिए चन्द्रपाल जांदू, असिस्टेंट प्रोफेसर इतिहास से सम्पर्क कर सकते है।

16

स्कूल व्याख्याता इतिहास की निशुल्क कोचिंग क्लास आज से

श्रीगंगानगर| डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर में इतिहास विषय की निशुल्क कोचिंग क्लासेज बुधवार से शुरू की जाएगी। इस क्लासेज में असिस्टेंट प्रोफेसर चंद्रपाल जांदू द्वारा स्कूल व्याख्याता इतिहास विषय पढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही इतिहास विषय के नोट्स दिए जाएंगे और टेस्ट सीरीज द्वारा तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को आरपीएससी प्रथम ग्रेड इतिहास में किस प्रकार पेपर सॉल्व करना है, का तरीका बताया जाएगा। चन्द्र पाल जांदू ने बताया कि जिन विद्यार्थियों को नेट की तैयारी करवाई है, उनका परिणाम भी 100 प्रतिशत रहा है। राजस्थान के जो भी विद्यार्थी स्कूल व्याख्याता इतिहास की तैयारी करना चाहते है, उनका बैच बुधवार को दोपहर 1 से 3 बजे तक चलेगी। प्रतियोगिता दक्षता कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय से बाहर

B. 1. **Title of the Practice:**

TAAL (STATE-LEVEL CULTURAL AND LITERARY COMPETITIONS)

2. **Objectives of the Practice:** TAAL is a mega event of the city of Sri Ganganagar that provides a Cultural exposure to the students of the state. Students from various disciplines and colleges from several districts of Rajasthan participate in this event in the month of January. It enhances the creative, aesthetic, literary, communicative and competitive skills of the students in more than one field. The main purpose was to provide an open platform to the youth to extract and display their talent and skills in front of the society.
3. **The Context:** A lot of talent is visible among the students of the area. But being from a rural backdrop, the students are shy in coming forward and expressing themselves in the form of singers, dancers, poets, debaters, and actors. The youth needed a platform where they could un-reluctantly showcase their hidden talents and through this medium reach out to greater and wider and more renowned platforms like TV, media, Social media. They are noticed and selected through this platform, getting a wider viewership through newspapers, social media networking.
4. **The Practice:** - TAAL event of 2-3 February 2016 was a mega event of the Ganganagar district inviting youth from the entire state of Rajasthan to take part and witness the Inter college Competitions in literary and Cultural fields. It provided a platform to scores of student artists and musicians to display their potential and get rewarded by the college. The event is funded through the boys fund.

   The 9-10th January 2017 TAAL, 30-31st January 2018 TAAL and 15-16 January, 2019, 7-8 2020 TAAL events were hosted by our institution inviting students from all over the Rajasthan State to

participate in the State level Cultural and Literary Competitions promoting the folk culture, classical arts as well as the contemporary arts forms in dance and music. It included inter-college debate competition, poetry recitation (self-Composed), Solo Song competition, solo dance and group dance competitions. Teams from Government as well as Private Colleges from far off districts like Dausa, Udaipur, Barmer etc took part in this mega event that made a distinctive mark for our institution. Experts for judgement of the competitions were invited according to their areas of specialization from the local institutions as well as from Punjab, Nohar and other places.

The event proved to be a grand success and a much awaited event of the area. The active participation and student representation in the form of Student union members, Cultural and literary secretaries etc made it a highly awaited event. The college arranged orchestra and musicians for the live performances of the students and invited the student leaders and prominent personalities of the city as the audiences. MPs, MLAs, Ministers, Social activists, educationists, artists, administrators and others have been a part of this event making headlines each year. The event could not be organized after 2020 due to covid.

5. **Problems Encountered and Resources Required:** The entire event was funded by resources from Boys fund. There were problems concerning heavy expenditure demands by the students. Their proposals demanded higher expenses in the form of decoration, furniture, professional singers etc. Their demands had to be negotiated to justify the requirements. Secondly, teams coming from several far away districts of Rajasthan like Barmer, Dausa had to be given stay arrangements for the night as the event went up to two days, which incurred extra costs.

ताल 2020
वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह
07-08 फरवरी, 2020
डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय , श्रीगंगानगर (राज.)
Sewak

2020
पुरस्कार वितरण समारोह
07-08 फरवरी, 2020
SEWAK

ताल 2019
वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह
15-16 जनवरी, 2019

छात्रसंघ कार्यालय
राज्य स्तरीय साहित्य

श्रीगंगानगर
छात्रसंघ कार्यालय उद्घ
(5 जनवरी 2015)
एवं
साहित्यिक-सांस्कृति
6-7 जनवरी